राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

M.P.A in KATHAK – IInd YEAR - IVth SEM - REGULAR

2021-22

No	Subject Nature	Mid Term With Attendance	End Term	Total Mark%	Min Mark%
1.	**A. CORE SUBJECT** **Kathak Theory Core 1** 1.History and Development of Indian Dance- C1-MDK-407 2.Essay composition rhythmic pattern and principal of practical -C1-MDK-102	 30 30	 70 70	 100 100	 36% 36%
2.	**Technical Course Practical Core 2** 3. Demonstration & Viva –C2-MDK-410 4. Stage Performance -C2-MDK-411 5. Choreography - C2-MDK-412	 30 30 30	 70 70 70	 100 100 100	 36% 36% 36%
	GRAND Total Credits & Hours				

एम.पी.ए. (नियमित)
विषय–कथक नृत्य
शास्त्र– प्रथम प्रश्न पत्र
सेमेस्टर–4

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास
(History and development of Indian dance)

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	: 30
प्रश्नपत्र	: 70
पूर्णांक	:100

इकाई–1

(अ) संस्कृत साहित्य एवं मूर्तिकला में नृत्य का उल्लेख।

(ब) कथक नृत्य के निम्न घराने एवं उनकी शैलीगत विशेषताएं:– जयपुर एवं रायगढ़ घराना।

इकाई–2

(अ) कथक नृत्य की समकालीन सुप्रसिद्ध महिला कलाकारों का परिचय एवं कथक नृत्य में उनका योगदान।

विदुषी कुमुदिनी लाखिया, विदुषी रोहिणी भाटे, विदुषी सुनयना हजारी लाल, विदुषी सितारादेवी,विदुषी रोशन कुमारी ।

(ब) निम्नलिखित शास्त्रीय नृत्य शैलियों का अध्ययन–कुचिपुड़ी, मोहिनी अटट्म, सत्रीया।

इकाई–3

(अ) यक्षगान, रामलीला, नोटंकी, नक्काली ,भवई तथा जात्रा आदि लोकनाट्यों का संक्षिप्त परिचय।

(ब) भारत सरकार एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा कथक नृत्य की लोकप्रियता हेतु किये गये प्रयास।

इकाई–4

(अ) आचार्य सारंग देव जी द्वारा रचित संगीत रत्नाकर का संक्षिप्त अध्ययन।

(ब) संगीत रत्नाकर के नृत्याध्याय (सप्तम) का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–5

(अ) रामायण एवं महाभारत काल में नृत्य के ऐतिहासिक संदर्भों का अध्ययन।

(ब) कत्थक नृत्य के विकास में भक्तिकालीन कवियों का योगदान।

एम.पी.ए. (नियमित)
विषय–कथक नृत्य
शास्त्र–द्वितीय प्रश्न पत्र
सेमेस्टर–4

निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात।
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

निम्नलिखित नृत्यों से सम्बन्धित विषयों पर निबंध रचना–

(अ) भारतीय रंगमंच का स्वरूप और परम्परा।
(ब) मध्यकालीन नृत्य परम्परा पर मुस्लिम प्रभाव।
(स) भारतीय शास्त्रीय नृत्य की देवदासी परम्परा।

इकाई–2

(अ) ताल के दस प्राणों का अध्ययन ।
(ब) नाट्य शास्त्र के अनुसार भ्रकुटि भेदों का श्लोक सहित अध्ययन।

इकाई–3

(अ) अशोक मल्ल के नृत्याध्याय की विषयवस्तु का संक्षिप्त अध्ययन।
(ब) नायक भेदों का उदाहरण सहित व्याख्या एवं नृत्य में उसका महत्व।

इकाई–4

(अ) प्रायोगिक पक्ष में दिये गये तालों में – रास ताल एवं चौताल ताल तोड़े, परन, बोल आदि का निर्माण कर, लिपिबद्ध करने की क्षमता।

दिए गए कुटाक्षरों पर आधारित नृत्य के बोलों की रचना करने की क्षमता।
जैसेः– तत, थुं, तिगदा, दिगदिग, तकतक, धुमकिट, धा इत्यादि।

इकाई–5

(अ) निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिए गए कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता –

1. होलिका दहन।
2. विश्वामित्र मेनका
3. जटायू मोक्ष

कथानक, पात्र, चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

नोट–प्रयोगिक में

तृतीय सेमेस्टर के ताल –लक्ष्मी ताल, मत्त ताल।
चतुर्थ सेमेस्टर के ताल –रास ताल या चौताल।

प्रायोगिक 1 (वायवा / मंच प्रदर्शन)

(viva/ Stage Performance)

MPA – Choreography

सेमेस्टर–4

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

(अ) पारम्परिक बंदिशों का प्रदर्शन।

(ब) थाट, उठान, आमद, प्रिमलू, कमाली परन, त्रिपल्ली, विकसित तिहाईयों के साथ नृत्य प्रदर्शन।

इकाई–2

(अ) गत निकास पूर्व में सीखे गये गतनिकासों की पुनरावृत्ति।

(ब) गत भाव–दशावतार एवं राधा–कृष्ण की छेड़–छाड़।

इकाई–3

(अ) दुर्गास्तुति एवं श्रीरामस्तुति पर भाव प्रदर्शन।

(ब) ध्रुपद एवं ठुमरी पर भावप्रदर्शन अथवा आधुनिक कवियों की रचनाओं का प्रदर्शन।

इकाई–4

निम्नलिखित में से किसी एक ताल पर नृत्य प्रदर्शन–

रास ताल या ताल चौताल

इकाई–5

विषय के प्रति रूचि व ग्रहणशीलता, अन्य कक्षाओं में नृत्य अध्यापन की योग्यता एवं नृत्य निर्देशन की क्षमता का विकास नृत्य नाटिका (बैले), पौराणिक कथा अथवा वाद्य संगीत पर नृत्य रचना।

पूर्व कक्षा में सीखी गई ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।

एम.पी.ए. (नियमित)
विषय–कथक नृत्य शास्त्रप्रायोगिक–2
(मंच प्रदर्शन/वायवा) (Stage Performance)
सेमेस्टर–4
MPA – Choreography

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

(1) आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

(2) एम.पी.ए. कोरियोग्राफी (Choreography)

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदीश आदि का लिपीबद्ध विवरण/नोटेशन (2) विश्वविद्यालय/महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा, जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. प्रेम दुबे)

12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)
15. हिन्दी नाट्य शास्त्र (भाग 1,2,3,4) (प्रो. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री)
16. भारतीय नाट्य परम्परा में अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
17. अंग काव्य (पं. बिरजू महाराज)
18. अक्षरों की आरसी (डॉ ज्योति बख्शी)
19. मध्य प्रदेश के लोक नृत्य।
20. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)